निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

विषय - यातायात जागरूकता

नाम -   कक्षा

अनुक्रमांक - 42

प्रस्तावना :

यातायात दो शब्दो मे मिलाकर बना है याता + यात जिसका अर्थ है प्राचीन काल के मानव यात्रा जीवन शैली आवागमन निर्भर है प्राचीन काल के संसाधन के विकास होने को आधुनिक देखकर देश में सम्पूर्ण नियम बनाना जाता लोग सुगमता से या जागरूकता शिक्षा बचाया जा सकता है आम जनता के लोग खासतौर दश दुर्घटना हो जाती है
विश्व में दुर्घटनाओं से बचाने वाले महत्वपूर्ण नियम बनाए गए है।
एक बार दुर्घटनाओं 10 लाख के लोगो जख्मी हो जाने के कारण मौत होगई
सड़क पर चलते समय दुर्घटनाओ से या भयानक खतराओ से कानून का नियम बनाया गया है।

यातायात सुरक्षा की दो सावधानियाँ बनायी गई है।

i सुरक्षा की सावधानिया :

ii वाहन चलाते समय की सावधानियाँ .

सड़क पर

पैदल या साइकिल या रिक्शा चलाते समय सड़क के बायी तरफ चलनी चाहिए और सड़क पार करते समय बाये या दाये की ओर देखकर चलना चाहिए और जिब्रा क्रासिंग का पालन अवश्य करना चाहिए और वाहन चलाते कभी भी नही सोचना चाहिए और शॉर्टकट या आसान रास्ता खोजने पर दुर्घटना भी हो जाती है।

और हरी बत्ती संकेत देती है वाहन जा रहा है और लाल बत्ती संकेत देती है को रुकना है। और जहाँ पर लाइट नही होती है वहा पर पुलिस मौजूद होते है। और हम सभी को हेमेट लाल लगाकर वाहन चलाना चाहिए ताकी कभी साइड यह धक्का लगे हम आराम से बच सके और हमको कभी रोड पर बैठना नही चाहिए गाड़ी वाले तुमको चढ़ा भी सकते है और हम सबको वाहन चलाते समय इधर-उधर नही देखना नही चाहिए क्योंकि इधर उधर देखोगे तो दुर्घटना भी हो सकती है और मोड़ पर मुड़ना तो सीटी बजाकर चलना चाहिए

और हमसको देख कर चलना चाहिए।

Scanned By Scanner Go